श्री महादेव जी की आरती

जय शिव ओंकारा भज शिव ओंकारा |
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अद्धागी धारा || हर हर महादेव || १ ||
एकानन चतुरानन पंचानन राजै |
हंसासन गरुड़ासन वृषवाहन साजै || हर हर ..... || २ ||
दो भुज चारु चतुर्भुज दशभुज ते सोहे |
तीनों रूप निरखता त्रिभुवन जन मोहे || हर हर ..... || ३ ||
अक्षमाला वनमाला रुण्डमाला धारी |
त्रिपुरारी कंसारी करमाला धारी || हर हर ..... || ४ ||
श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगे |
सनकादिक गरुड़ादिक भूतादिक संगे || हर हर ..... || ५ ||
कर मध्ये सुकमण्डलु चक्र शूलधारी |
सुखकारी दुखहारी जग पालनकारी || हर हर ..... || ६ ||
ब्रह्माविष्णु सदाशिव जानत अविवेका |
प्रणवाक्षर में शोभित ये तीनों एका || हर हर ..... || ७ ||
त्रिगुणस्वामिकी आरती जो कोई नर गावै |
कहत शिवानन्द स्वामी मनवान्छित फल पावै || हर हर ..... || ८ ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

२.

सत्य सनातन सुन्दर शिव सबके स्वामी |
अविकारी अविनाशी अज अन्तर्यामी || हर हर ..... || १ ||
आदि अनन्त अनामय अकल कलाधारी |
अमल अरूप अगोचर अविचल अघहारी || हर हर ..... || २ ||
ब्रह्मा विष्णु महेश्वर तुम त्रिमूर्तिधारी |
कर्ता भर्ता धर्ता तुम ही संहारी || हर हर ..... || ३ ||
रक्षक भक्षक प्रेरक प्रिय औघरदानी |
साक्षी परम अकर्ता कर्ता अभिमानी || हर हर ..... || ४ ||
मणिमय भवन निवासी अति भोगी रागी |
सदा श्मशान विहारी योगी वैरागी || हर हर ..... || ५ ||
छाल कपाल गरल गल मुण्डमाल व्याली |
चिताभस्मतन त्रिनयन अयनमहाकाली || हर हर ..... || ६ ||
प्रेत पिशाच सुसेवित पीत जटाधारी |
विवसन विकट रूपधर रुद्र प्रलयकारी || हर हर ..... || ७ ||
शुभ्र सौम्य सुरसरिधर शशिधर सुखकारी |
अतिकमनीय शान्तिकर शिवमुनि मनहारी || हर हर ..... || ८ ||
निर्गुण सगुण निरंजन जगमय नित्य प्रभो |
कालरूप केवल हर कालातीत विभो || हर हर ..... || ९ ||
सत् चित् आनन्द रसमय करुणामय धाता |
प्रेम सुधा निधि प्रियतम अखिल विश्व त्राता || हरहर ..... || १० ||
हम अतिदीन दयामय चरण शरण दीजै |
सब विधि निर्मल मति कर अपना कर लीजै | हर हर ..... || ११ ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

www.viswakalyanam.org

३.

शीश गंग अर्धग पार्वती सदा विराजत कैलासी |
नंदी भृंगी नृत्य करत हैं धरत ध्यान सुखरासी || १ ||
शीतल मन्द सुगन्ध पवन बह बैठे हैं शिव अविनाशी |
करत गान गन्धर्व सप्त स्वर राग रागिनी मधुरासी || २ ||
यक्ष रक्ष भैरव जहँ डोलत बोलत हैं वनके वासी |
कोयल शब्द सुनावत सुन्दर भ्रमर करत हैं गुंजा सी || ३ ||
कल्पद्रुम अरु पारिजात तरु लाग रहे हैं लक्षासी |
कामधेनु कोटिन जहँ डोलत करत दुग्ध की वर्षा सी || ४ ||
सूर्यकान्त सम पर्वत शोभित चन्द्रकान्त सम हिमराशी |
नित्य छहों ऋतु रहत सुशोभित सेवत सदा प्रकृति दासी || ५ ||
ऋषि मुनि देव दनुज नित सेवत गान करत श्रुति गुणराशी |
ब्रह्मा विष्णु निहारत निसिदिन कछु शिव हमकू फरमासी || ६ ||
ऋद्धि सिद्ध के दाता शंकर नित सत् चित् आनन्दराशी |
जिनके सुमिरत ही कट जाती कठिन काल यमकी फांसी || ७ ||
त्रिशूलधरजी का नाम निरन्तर प्रेम सहित जो नरगासी |
दूर होय विपदा उस नर की जन्म-जन्म शिवपद पासी || ८ ||
कैलाशी काशी के वासी अविनाशी मेरी सुध लीजो |
सेवक जान सदा चरनन को अपनी जान कृपा कीजो || ९ ||
तुम तो प्रभुजी सदा दयामय अवगुण मेरे सब ढकियो |
सब अपराध क्षमाकर शंकर किंकर की विनती सुनियो || १० ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

४.

अभयदान दीजै दयालु प्रभु सकल सृष्टि के हितकारी |
भोलेनाथ भक्त दु:ख भंजन भवभंजन शुभ सुखकारी || १ ||
दीनदयालु कृपालु कालरिपु अलखनिरंजन शिव योगी |
मंगल रूप अनूप छबीले अखिल भुवन के तुम भोगी ||
वाम अंग अति रंगरस भीने उमा वदन की छवि न्यारी | भोलेनाथ ..... || २ ||
असुर निकंदन सब दु:खभंजन वेद बखाने जग जाने |
रुण्डमाल गल व्याल भाल शशि नीलकण्ठ शोभा साने ||
गंगाधर त्रिसूलधर विषधर बाघम्बर गिरिचारी | भोलेनाथ ..... || ३ ||
यह भवसागर अति अगाध है पार उतर कैसे बूझे |
ग्राह मगर बहु कच्छप छाये मार्ग कहो कैसे सूझे ||
नाम तुम्हारा नौका निर्मल तुम केवट शिव अधिकारी | भोलेनाथ ..... || ४ ||
मैं जानूँ तुम सद्गुणसागर अवगुण मेरे सब हरियो |
किंकर की विनती सुन स्वामी सब अपराध क्षमा करियो ||
तुम तो सकल विश्व के स्वामी मैं हूं प्राणी संसारी | भोलेनाथ ..... || ५ ||
काम क्रोध लोभ अति दारुण इनसे मेरो वश नाहीं |
द्रोह मोह मद संग न छोड़ै आन देत नहिं तुम तांई ||
क्षुधा तृषा नित लगी रहत है बढ़ी विषय तृष्णा भारी | भोलेनाथ ..... || ६ ||
तुम ही शिवजी कर्ता हर्ता तुम ही जग के रखवारे |
तुम ही गगन मगन पुनि पृथ्वी पर्वतपुत्री प्यारे ||
तुम ही पवन हुताशन शिवजी तुम ही रवि शशि तमहारी | भोलेनाथ ..... || ७ ||
पशुपति अजर अमर अमरेश्वर योगेश्वर शिव गोस्वामी |

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

वृषभारूढ़ गूढ़ गुरु गिरिपति गिरिजावल्लभ निष्कामी ॥
सुषमासागर रूप उजागर गावत हैं सब नरनारी | भोलेनाथ ..... ॥ ८ ॥
महादेव देवों के अधिपति फणिपति भूषण अति साजै |
दीप्त ललाट लाल दोउ लोचन आनत ही दु:ख भाजै ॥
परम प्रसिद्ध पुनीत पुरातन महिमा त्रिभुवन विस्तारी | भोलेनाथ ..... ॥ ९ ॥
ब्रह्मा विष्णु महेश शेष मुनि नारद आदि करत सेवा |
सबकी इच्छा पूरन करते नाथ सनातन हर देवा ॥
भक्ति मुक्ति के दाता शंकर नित्य निरंतर सुखकारी | भोलेनाथ ..... ॥ १० ॥
महिमा इष्ट महेश्वर को जो सीखे सुने नित्य गावै |
अष्टसिद्धि नवनिधि सुख सम्पत्ति स्वामीभक्ति मुक्ति पावै ॥
श्री अहिभूषण प्रसन्न होकर कृपा कीजिये त्रिपुरारी | भोलेनाथ ..... ॥ ११ ॥

www.viswakalyanam.org

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133